

CG Board Class 8 Hindi Solutions



CGBSE Class 8 Hindi Solutions

Chapter - 7

दीदी की डायरी

अभ्यास :

Page no : 38

प्रश्न 01 : दीदी की डायरी संजू ने क्यों पढ़ी?

उत्तर :- संजू डायरी लिखना चाहती थी पर उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह शुरुआत कैसे करें, इसलिए उसने अपनी दीदी से कहकर उनकी डायरी पढ़ी।

Page no : 38

प्रश्न 02 : संजू की दीदी किस चुटकुले को पढ़कर लोट - पोट हो गई?

उत्तर :- संजू की दीदी निम्न चुटकुले को पढ़कर लोट पोट हो गयी -
खरीददार -(मालिक से)इस भैंस की तो एक आँख खराब है ,फिर इस भैंस के सात हजार क्यों मांग रहे हो?
मालिक -भैंस से दूध लेना है या कशीदाकारी करवानी है।

Page no : 38

प्रश्न 03 : संजू की दीदी ने पिकनिक में क्या - क्या करतब दिखाए?

उत्तर :- संजू की दीदी ने अपने करतब से जिसने जो फल चाहा उसे उसी फल की खुशबू सुंघा दी, जो मिठाई मांगी वही चखा दी।

Page no : 38

प्रश्न 04 : संजू की दीदी के मन लड़कियों की शिक्षा के विषय में क्या विचार आए?

उत्तर :- लड़कियों को पढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। दुनिया में लड़किया बड़े -बड़े कार्य कर रही हैं। ऐसे में कुछ पुरानी सोच के लोग उन्हें केवल चूल्हे -चौके से ऊपर उठने नहीं देते हैं और लड़किया अपनी इच्छा को मारकर रह जाती हैं, इसका विरोध संजू की दीदी के मन में उठ रहा था।

Page no : 38

प्रश्न 05 : संजू ने साहित्य की कौन सी पुस्तक पढ़ी और वह पुस्तक उसे क्यों पसंद आई?

उत्तर : संजू ने गाँधी साहित्य पढ़ा। बापू की सत्य के प्रयोग पुस्तक उसे बहुत पसंद आई।

Page no : 38

प्रश्न 06 : रिक्शावाले की छींक का संजू की दीदी पर क्या असर हुआ?

उत्तर : रिक्शावाले की छींक की संजू ने परवाह नहीं की वह विद्यालय गया और उसे अभिनय के लिए पुरस्कार मिला एवं शाबाशी भी मिली।

Page no : 38

प्रश्न 07 : नन्ही संजू को अपनी सहेली पर गुस्सा क्यों आया?

उत्तर :- नन्ही संजू को अपनी सहेली पर गुस्सा इसलिए आया क्योंकि उसकी सहेली की पढ़ाई छुड़वाकर उसके माता-पिता उसे गांव ले जाकर उसका विवाह करवाना चाहते थे।

Page no : 38

प्रश्न 08 : संजू की दीदी को तोतो चान के व्यक्ति को कौन सा पहलू मजेदार लगा और वह मन में क्या सोचती थी?

उत्तर :- तोतोचान एक जापानी लड़की की कहानी थी। तोतो चान एक मनमौजी लड़की थी, जिसे अपनी शरारत के कारण कई स्कूल बदलने पड़े। वह यहां रेल के डिब्बे वाले स्कूल में जम गयी थी। शिक्षक का कोई डर अब उसके मन में नहीं व्याप्त था। पूरी तरह आजाद हो गयी थी। वह सोचती है, कि क्या हमें भी पढ़ने की ऐसी आजादी मिल सकती है ?

Page no : 38

प्रश्न 09 : संजू की दीदी का पूरा दिन उदासी में बीतने का क्या कारण था ?

उत्तर : संजू को दीदी के पूरे दिन उदासी में बीतने का कारण था, उसकी सहेली नीलू, "कल से पढ़ने नहीं जाएगी"। घरवाले उसके हाथ पीले कर देंगे। उसकी सहेली संजू से गले लगाकर रोने लगी। कहती थी "बहिन पढ़ने का बेहद मन है, पर क्या करूं कोई मेरी बात सुनता नहीं"।

Page no : 38

पाठ से आगे :

प्रश्न 01 : आपके माँ - पापा और शिक्षक आपको बहुत से कार्यों के लिए प्रोत्साहित करते हैं जिसके कारण आपके जीवन में परिवर्तन होता है। उन अनुभवों को कक्षा में परस्पर चर्चा कर लिखिए?

उत्तर : हमारे अभिभावक और शिक्षक हमें हमेशा शिक्षा, योग, व्यायाम और समय की सदुपयोगिता के बारे में मार्गदर्शन देते रहते हैं तथा प्रोत्साहित भी करते हैं उन्हीं के कारण आज मैं अपने जीवन पथ पर आसानी से अर्थात् बिना किसी रुकावट के अग्रसर हूँ। आज मैं एक बेहतर छात्रा हूँ, तो वो सिर्फ और सिर्फ हमारे माता-पिता तथा शिक्षक गणों का ही सहयोग रहा है। हम कदापि उनकी किसी भी सीख या बात की अवहेलना नहीं करनी चाहिए।

Page no : 38

प्रश्न 02 : हमारे समाज में लड़कियों को पढ़ने और उच्च कक्षाओं तक शिक्षा जारी रखते हुए आगे बढ़ने का कितना अवसर मिल पता है। समूह में चर्चा कर उत्तर लिखिए ?

उत्तर : हमारा समाज एक पुरुष प्रधान समाज है। हमेशा से यहां पुरुषों की शिक्षा और मनोरंजन समाज के लिए अहम रहा है। परन्तु समय के साथ साथ अब परिवेश बदल चुका है। पुरुषों की अपेक्षाकृत अब स्त्रियां व बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष बल दिया जाता है भारत के लगभग सभी सरकारी संस्थानों में स्त्री शिक्षा को निः शुल्क मुफ्त करने की योजना चलायी जा रही है। जिसके कारण अधिक से अधिक लड़कियां इसमें हमारा सहयोग अपनी अपनी सहभागिता दिखा रही हैं। समाज में जो विश्वास स्त्रियों पर दिखाया है वो उसका ऋण अपनी बुलंदियों के माध्यम से चुका रही है। एक पुरुष के शिक्षित होने पर वह सिर्फ स्वयं शिक्षित होता है। परन्तु जब एक स्त्री शिक्षित होती है तो पूरा समाज शिक्षित होता है। उन्हीं बातों और समझ का फायदा स्त्रियों को आज भी प्राप्त हो रहा है।

Page no : 38

प्रश्न 03 : क्या हमें शकुन -अपशकुन जैसी मान्यताओं पर विश्वास करना चाहिए? इन मान्यताओं को स्वीकार करने के कारणों पर साथियों व अभिभावकों से चर्चा कर अपनी समझ को लिखिए?

उत्तर : ये हमारे समाज की बड़ी अजब विडंबना है कि हम शिक्षित होते हुए भी शकुन -अपशकुन के जाल से निकल ही नहीं पा रहे हैं। इस कारण हम अक्सर किसी कार्य को दूसरे दिन के लिए छोड़ देते हैं। जिसके कारण वह कार्य लंबित होता जाता है। इन पुरानी रूढ़ियों को त्यागकर उन्नति की ओर बढ़ना चाहिए। अंधविश्वास के कारण हम हीन भावना के शिकार हो जाते हैं।

Page no : 38

प्रश्न 04 : आप अपने विद्यालय और तोतो चान के विद्यालय में क्या फर्क महसूस करते हैं? अपने अनुभव को संक्षेप में लिखिए?

उत्तर : (1) हमारा विद्यालय किसी स्थान पर बना होता जबकि तोतो चान का विद्यालय रेल के छः डिब्बों में बना था।

(2) हमारे विद्यालय में नियम, कानून, कायदे अनुशासन होता है जबकि तोतो चान के विद्यालय में कोई कहीं पर बैठे वो भी पूरी मौज मस्ती के साथ।

(3) हमारे विद्यालय के छात्र आगे चलकर अनुभवी योग्यता पूर्ण बनेगा। जबकि तोतो चान के विद्यालय का छात्र मन -मौजी बनेगा।

Page no : 39

प्रश्न 05 : डायरी के बारे में आपने सुना होगा , इसमें हम क्या - क्या लिखते हैं साथियों से बातचीत कर लिखिए साथ ही इसमें लिखी गई सामग्री क्या लेखन के अन्य तरीकों से भिन्न होती है? इस पर शिक्षक के सहयोग से चर्चा कर अपनी समझ को नोट कर कक्षा में सुनाइए।

उत्तर :- डायरी लेखन की एक कला है इसमें प्रतिदिन क्या किया ? वो सब बाते लिखी जाती है। सबसे पहले दिनांक ,दिन लिखकर डायरी की शुरुआत की जाती है। इसमें आप महत्वपूर्ण तिथियों पर व मन को भाने वाली वस्तुएं ,पूरे दिन किया गया कार्य लिखा जाता है यह लेखन के दी तरीकों से भिन्न है न यह पत्र की भांति लिखा जाता न कहानी और न ही कविता। आप इसमें अपने व्यक्तित्व के बारे में भी लिख सकते हैं।

Page no : 39

प्रश्न 06 : लड़कियों को पढ़ने की आजादी न होने पर क्या हानि होगी?

उत्तर :-लड़कियों को पढ़ने की आजादी के अभाव में लड़कियां कुंठित तो होगी ही साथ ही पूरा समाज शिक्षा के अभाव में बिखरने लगेगा ,क्योंकि लड़किया ही परिवार के दायित्व का सही निर्वाह करती हैं, उनका शिक्षित होना आवश्यक है।

Page no : 39

प्रश्न 07 : डायरी लिखने के क्या - क्या लाभ हो सकते हैं?

उत्तर : डायरी लिखने से हमें लेखक की मनोवृत्ति और रुचि का पता चलता है। डायरी में महापुरुषों के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं का उल्लेख एवं इतिहास की जानकारी निहित होती है।

Page no : 39

प्रश्न 01 : पाठ में हँसाना, बढ़ाना, खेलाना, सेकवाना आदि क्रिया पद प्रयुक्त हुए हैं। जिन्हें हम प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं अर्थात् वह क्रिया जिससे यह सूचित होता है कि कार्य किसी की प्रेरणा से या किसी दूसरे के द्वारा कराई जा रही है - जैसे गिर (ना) गिराना गिरवाना, चल (ना) चलाना चलवाना, चढ़(ना) चढ़ाना चढ़वाना आदि

अधिकतर धातुओं से दो-दो प्रेरणार्थक क्रिया बनती हैं, पहली प्रेरणार्थक में 'आ' और दूसरी में 'वा' जुड़ता है। आप खेलना, बोलना, खाना, रोना देना जैसे क्रिया पदों से प्रेरणार्थक क्रिया बनाइए।

उत्तर :-

अपना	अपनाना
बोलना	बुलवाना
खाना	खिलवाना
रोना	रुलाना
देना	दिलवाना

Page no : 39

प्रश्न 02 : प्रतिदिन, दिनों दिन, यथासंभव, यथा समय जैसे शब्द का प्रयोग पाठ में हुआ है, जो सामासिक पद हैं। समास के भेद की दृष्टि से ये उदाहरण अव्ययीभाव समास के हैं। इस समास में पहला पद (पूर्व पद) प्रधान होता है और पूरा पद अव्यय होता है। इस समस्त पद का रूप किसी भी लिंग, वचन आदि के कारण नहीं बदलता है। अव्ययीभाव समास में समस्त पद 'अव्यय' बन जाता है, उसका रूप कभी नहीं बदलता है। इसके साथ विभक्ति चिह्न भी नहीं लगता। पाठ में प्रयुक्त अव्ययीभाव समास के पाँच उदाहरण दीजिए।

उत्तर :-

1. अव्ययीभाव समास के उदाहरण -
2. अत्यंत
3. अपशकुन अभिनय
4. बेहद
5. उपहार

Page no : 39

प्रश्न 03 : पाठ में डूबती-उतराती, नाच-गाना, जाने-अनजाने, खेलने-कूदने, चौंके-चूल्हे आदि इस तरह के योजक चिह्नों से जुड़े युग्म शब्द आए हैं, जो द्वन्द्व समास के उदाहरण हैं। विग्रह करने पर इनका अर्थ क्रम से डूबना और उतरना, नाचना और गाना है। इन शब्द युग्मों में दोनों ही पद प्रधान होते हैं, कोई भी गौण नहीं होता। इन्हें द्वन्द्व समास कहते हैं। पुस्तक से इस समास के दस उदाहरणों को ढूँढ़कर लिखिए और उनका समास विग्रह कीजिए।

उत्तर :-

उदाहरण	समास विग्रह	समास
आलू -मटर	आलू और मटर	द्वन्द्व समास
छोटी -बड़ी	छोटी और बड़ी	द्वन्द्व समास

रंग -बिरंगी	रंग और बिरंगी	द्वन्द्व समास
आने -जाने	आने और जाने	द्वन्द्व समास
थोड़ी -बहुत	थोड़ी और बहुत	द्वन्द्व समास
शकुन अपशकुन	शकुन और अपशकुन	द्वन्द्व समास
लोट -पोट	लोट और पोट	द्वन्द्व समास
एक -दो	एक और दो	द्वन्द्व समास
उलटने -पलटने	उलटने और पलटने	द्वन्द्व समास

Page no : 40

04 : इस पाठ में एक वाक्य आया है- कॉलेज में कक्षा के सामने ठक्-ठक् होती रही। ठक्-ठक् ध्वन्यात्मक शब्द है। किसी वस्तु पर जब हम दूसरी वस्तु से प्रहार करते हैं तो 'ठक्' जैसी आवाज़ होती है। इसी तरह की आवाज़ करने वाले शब्दों को 'ध्वन्यात्मक शब्द' कहते हैं। आप भी चार अन्य ध्वन्यात्मक शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर :-

खन -खन - कंगन की आवाज़

टिक -टिक - घड़ी की आवाज़

झम -झम - वर्षा के बूंदों का आवाज़

खट -खट - खटखटाने की आवाज़

Page no : 40

प्रश्न 05 : रामदयाल ने एक वाक्य लिखा - "मैं प्रतिरोज श्रुतिलेख लिखता हूँ।" इस वाक्य में क्या अशुद्धि है?" उसका कारण लिखिए और वाक्य शुद्ध करके लिखिए।

उत्तर :- प्रस्तुत वाक्य में रोज से पहले प्रति उपसर्ग आया है। रोज का अर्थ ही प्रतिदिन होता है। अतः रोज से पहले प्रति का प्रयोग सर्वथा गलत है।

शुद्ध वाक्य - मैं रोज श्रुति लेख लिखता हूँ।

Page no : 40

प्रश्न 06 : नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए-

क. मैं तो रातभर उनके पास बैठी रही।

ख. मुझे आपसे इतना-भर कहना है।

उत्तर :- छात्र स्वयं करें

Page no : 40

प्रश्न 07 : इन दोनों वाक्यों में 'भर' शब्द का प्रयोग हुआ है। यह निपात सूचक शब्द है। पूर्व के पाठ में आपने इस विषय में पढ़ा है। दिए गए दोनों वाक्यों में इसका अर्थ अलग-अलग है। इनके अर्थों पर विचार कीजिए और लिखिए।

उत्तर :-

- (क) मैं तो रात भर उनके पास बैठी रही। इस वाक्य में भर शब्द का प्रयोग पूरे समय के लिए हुआ है।
(ख) दूसरे वाक्य ,मुझे आपसे इतना भर कहना है ,में भर शब्द का प्रयोग केवल या सिर्फ के लिए हुआ है।

aglasem.com